vinetur

ब्रिटिश अधिकारियों ने व्हिस्की निवेश फर्म को बंद कराया, जिसने ऐसे कास्क बेचे जिनके खरीदार कभी मालिक नहीं थे

जांचकर्ताओं ने कहा कि पहचाने गए 17 ग्राहकों में से केवल चार के पास वैध स्वामित्व दस्तावेज थे, जिससे ज्ञात खरीदारों को £97,249 का नुकसान हुआ।

गुरुवार, 27 अगस्त 2026



ब्रिटिश अधिकारियों ने एक व्हिस्की निवेश कंपनी को बंद करा दिया, क्योंकि जांच में पता चला कि कई ग्राहकों ने उन कास्क के लिए भुगतान किया जिनके वे कानूनी मालिक कभी नहीं थे। इससे पहचाने गए खरीदारों को £97,249 का नुकसान हुआ और निवेश बाजार के एक अनियमित हिस्से में, जिसे अधिकारियों ने गंभीर कदाचार बताया, उसका खुलासा हुआ।

UK Insolvency Service ने गुरुवार को कहा कि Cask Spirits Global Limited को मंगलवार को लंदन की हाई कोर्ट ने परिसमापन में डाल दिया, जब एक जांच में कंपनी की बिक्री पद्धतियों, स्वामित्व रिकॉर्ड, लेखांकन और संपर्क जानकारी में बड़ी समस्याएं सामने आईं। कंपनी खुदरा ग्राहकों को व्हिस्की कास्क निवेश बेचती थी, और मजबूत रिटर्न तथा कर लाभ का वादा करती थी, लेकिन जांचकर्ताओं ने कहा कि उनके द्वारा पहचाने गए 17 ग्राहकों में से केवल चार के पास ही वैध स्वामित्व दस्तावेज थे।

इसका मतलब है कि 17 ज्ञात खरीदारों में से कम से कम 13, यानी 76.5%, के पास उन कास्क का वैध स्वामित्व नहीं था

जिन्हें वे अपना समझते थे। एजेंसी ने कहा कि वास्तविक नुकसान इससे अधिक हो सकता है, क्योंकि £97,249 का आंकड़ा केवल उन ग्राहकों को शामिल करता है जिनकी पहचान जांचकर्ता कर सके। उसने यह भी कहा कि इस मामले को व्यापक व्हिस्की कास्क बाजार का पैमाना नहीं माना जाना चाहिए।

Insolvency Service के अनुसार, कुछ ग्राहकों को ऐसे कास्क के प्रमाणपत्र जारी किए गए जो मौजूद ही नहीं थे। अन्य दस्तावेजों में ग्राहक के बजाय कंपनी को ही मालिक बताया गया। कुछ प्रमाणपत्रों में ऐसे गोदामों का उल्लेख था जिनका इस व्यवसाय से कोई संबंध नहीं था। जांचकर्ताओं को भंडारण स्थानों के बारे में झूठी जानकारी भी मिली।

एजेंसी द्वारा बताए गए एक मामले में, एक ग्राहक को 120%-150% रिटर्न का वादा किया गया और बताया गया कि उसका कास्क स्कॉटलैंड के एक बॉन्डेड वेयरहाउस में रखा गया है। जब उसने वेयरहाउस से संपर्क किया, तो उसने कंपनी से किसी भी संबंध से इनकार कर दिया।

Insolvency Service ने कहा कि कंपनी ने सोशल मीडिया विज्ञापन और कोल्ड-कॉलिंग के जरिए ग्राहकों को निशाना बनाया। अधिकारियों ने कहा कि व्यवसाय ने लोगों को व्हिस्की कास्क में हजारों पाउंड निवेश करने के लिए राजी करने के वास्ते दबावपूर्ण बिक्री रणनीतियों का इस्तेमाल किया। ग्राहकों को यह समझाया गया कि वे एक भौतिक संपत्ति खरीद रहे हैं जिसका मूल्य समय के साथ बढ़ सकता है, लेकिन उन्हें मिले दस्तावेज अक्सर कानूनी स्वामित्व स्थापित करने में विफल रहे।

जांच में यह भी पाया गया कि कंपनी अपनी वेबसाइट और ग्राहकों को दिखाए गए सामग्री में “Cask Spirits Ltd” नाम से काम कर रही थी, जबकि Companies House register में ऐसी कोई कंपनी दर्ज ही नहीं थी। ग्राहक वास्तव में Cask Spirits Global Limited को भुगतान कर रहे थे, लेकिन शीर्षक दस्तावेजों में असली कॉरपोरेट इकाई का उल्लेख नहीं था। अधिकारियों ने कहा कि इस असंगति ने इस भ्रम को और बढ़ा दिया कि, यदि कोई, तो कास्क का कानूनी मालिक कौन था।

जांचकर्ताओं ने कहा कि कुछ प्रमाणपत्र ऐसी कंपनी के नाम पर भी जारी किए गए जो अस्तित्व में ही नहीं थी। व्यवहार में इसका मतलब था कि कुछ खरीदारों को ऐसे कागजात दिए गए जो उस संपत्ति पर उनके कानूनी दावे का समर्थन नहीं कर सकते थे, जिसके लिए उन्होंने भुगतान किया था। ऐसे बाजार में, जहां स्वामित्व बहुत हद तक शीर्षक की श्रृंखला और सटीक वेयरहाउस रिकॉर्ड पर निर्भर करता है, ऐसी खामियां निवेशकों को व्यावहारिक रूप से बहुत कम राहत देती हैं।

Insolvency Service ने कहा कि Cask Spirits Global Limited का गठन जून 2024 में हुआ था। बाद में उसने अपनी ग्राहक-सामना सामग्री में लंदन के दो पते दर्ज किए, लेकिन जांचकर्ताओं को दोनों में से किसी भी स्थान पर इसकी कोई सत्यापित मौजूदगी नहीं मिली। नतीजतन, शिकायत करना या धनवापसी मांगना चाहने वाले ग्राहकों के पास कंपनी तक पहुंचने का कोई भरोसेमंद तरीका नहीं था।

अधिकारियों ने यह भी कहा कि कंपनी जांच में पूरी तरह सहयोग नहीं कर सकी। उसने मांगे गए 29 लेखांकन दस्तावेजों में से केवल दो ही दिए, यानी 29 में से 27 रिकॉर्ड नहीं सौंपे गए। एजेंसी ने कहा कि दस्तावेज़ीकरण की इस कमी ने उसके लिए धन के प्रवाह का पता लगाने और नुकसान के पूरे पैमाने का आकलन करने की क्षमता सीमित कर दी।

गायब रिकॉर्ड के अलावा, जांचकर्ताओं ने कहा कि व्यवसाय ने कई अघोषित बैंक खातों का इस्तेमाल किया और आवश्यक वैधानिक खाते लगातार दाखिल नहीं किए। इन समस्याओं ने इस चिंता को और बढ़ाया कि ग्राहकों के पैसे को कैसे संभाला गया और क्या कंपनी पारदर्शी तरीके से काम कर रही थी।

एजेंसी ने कहा कि कंपनी ने लगभग मार्च 2025 में ग्राहकों से संवाद बंद कर दिया था। फिर भी, उस समय कारोबार बंद होने का दावा करने के बावजूद, वह सक्रिय बनी हुई प्रतीत होती थी। जांचकर्ताओं ने कहा कि अगले महीने व्यवसाय ने एक बॉन्डेड वेयरहाउस के साथ नया खाता खोलने की कोशिश की, जिससे संकेत मिला कि वह अब भी जनता के लिए जोखिम बना हुआ था।

Insolvency Service के मुख्य जांचकर्ता मार्क जॉर्ज ने कहा कि जांच में कंपनी के संचालन और अच्छे विश्वास से निवेश करने वाले लोगों को हुए नुकसान के बारे में "गंभीर चिंताएं" सामने आई हैं। उन्होंने कहा, "लोगों ने व्हिस्की कास्क के लिए हजारों पाउंड सौंप दिए, जिनके वे कानूनी मालिक कभी नहीं थे।" उन्होंने जोड़ा कि जब किसी कंपनी पर जनता के पैसे के साथ भरोसा नहीं किया जा सकता, तो सरकार कार्रवाई करेगी।

अदालती आदेश के तहत कंपनी का अनिवार्य परिसमापन किया गया है। Official Receiver को परिसमापक नियुक्त किया गया है और अब वह कंपनी के मामलों का नियंत्रण संभालेगा। ऐसी प्रक्रिया में आम तौर पर रिकॉर्ड और संपत्तियों को सुरक्षित करना, कंपनी के आचरण की जांच करना और यह तय करना शामिल होता है कि देनदारों के लिए कोई वसूली संभव है या नहीं। हालांकि Insolvency Service ने यह नहीं बताया कि ग्राहकों को अंततः कितना पैसा वापस मिल सकता है।

यह मामला उन जोखिमों को उजागर करता है जो तब उत्पन्न हो सकते हैं जब खुदरा निवेशक ऐसे विशेषज्ञ परिसंपत्तियों में पैसा लगाते हैं जो मुख्यधारा की नियामित वित्तीय प्रणाली के बाहर आती हैं। हाल के वर्षों में व्हिस्की कास्क निवेश ने उन लोगों के बीच बढ़ती दिलचस्पी हासिल की है जो पेय उद्योग से जुड़ी वैकल्पिक परिसंपत्तियां तलाश रहे हैं। लेकिन एक पारंपरिक बचत उत्पाद या सूचीबद्ध प्रतिभूति के विपरीत, कास्क खरीद स्पष्ट कानूनी स्वामित्व, सटीक भंडारण रिकॉर्ड और एक भरोसेमंद मध्यस्थ पर निर्भर करती है। इस मामले में, अधिकारियों ने कहा कि ये बुनियादी बातें अक्सर मौजूद नहीं थीं।

यूके नियामकों के लिए, यह मामला उन अन्य निवेश-सम्बंधी बंदियों में देखे गए पैटर्न से भी मेल खाता प्रतीत होता है, जहां एक कंपनी आक्रामक विपणन, कठिन-सत्यापन दावों और कमजोर दस्तावेज़ीकरण के जरिए छोटे निवेशकों को आकर्षित करती है। यहां, Insolvency Service ने कहा कि ग्राहकों को ऐसी संपत्ति बेची गई जिसके वे अक्सर कानूनी मालिक ही नहीं थे, जबकि कंपनी खुद बुनियादी रिकॉर्ड बनाए रखने में विफल रही और समस्याएं सामने आने के बाद उस तक भरोसेमंद ढंग से संपर्क नहीं किया जा सका।

एजेंसी ने कहा कि वह चालू कंपनियों के खिलाफ कॉरपोरेट दुरुपयोग की शिकायतों की जांच कर सकती है, जिनमें संदिग्ध धोखाधड़ी, ठगी और बेईमान कारोबारी तौर-तरीके शामिल हैं। Cask Spirits Global Limited के मामले में, अधिकारियों ने यह निष्कर्ष निकालने के बाद अदालत-आदेशित विंडिंग अप की मांग की कि कंपनी का आचरण और उसकी जारी प्रतीत होने वाली गतिविधि जनता के लिए निरंतर जोखिम पैदा कर रही थी।